

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II---खण्ड 3---उप**खण्ड (ii**)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 0 27]

नई विल्ली, शुक्रवार, अनवरी 19, 1973/पौक 29, 1894

No. 27]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 19, 1973/PAUSA 29, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ट संख्या वी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

#### ORDER

New Delhi, the 19th January 1973

S.O. 36(E)/18FB/IDRA/73.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972, the management of the industrial undertaking known as the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years up to and inclusive of the 17th September, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, rubber goods industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights privileges obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F. 25/5/72-C.U.C.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

# श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय

#### ग्रादेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1973

का॰ आ। 36(आ)/18 एफ॰ बी॰/आई॰ डी॰ आए॰ ए॰/73—अतः भारत सरकार के श्रीद्योगिक विकास संजालय के श्रादेश कं॰ का॰ था॰ 608 (ई)/18 ए/आई॰ डी॰ धार॰ ए॰/72, तारीख 18 सितम्बर, 1972 द्वारा इण्डियन रबर मैन्यूफैक्चरर्स लिमिटेड, कलकता (जिमे इममे असे परवान् उसा प्रोतानिक उपक्रम कहा गया है) नासक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध उद्योग (विकास नया वितियन) प्रोजित्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अश्रीत 17 सिनम्बर, 1977 तक जित्तमें यह नारोब भो मन्मिलन है, पाच वर्ष की श्रवधि के लिए, ग्रहण कर लिया गया है;

श्रीर यतः केन्द्रीय मरकार का यह समाधान हो गया है ∤िक उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के संबन्ध में, श्रृतुपूचित उद्योग, श्रृयात रवर माल उद्योग, में उत्पादन के पुरिमाण में कमी को रोकने की दृष्टि से, अनसाधारण के हितों में ऐसा करना श्रावश्यक है;

ग्रतः श्रम, उन्ह स्रिधिनियम की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवक्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एनद्द्वारा यह घोषणा करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाशों, सम्पत्ति के हस्नान्तरणपत्नों, करारों, खन्नस्थापनों, पंचाटों, स्थायी श्रादेशों या श्रम्य लिखतों का (उनसे भिन्न. जो बैंकों ग्रीर वित्तीय संस्थाश्रों के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं। प्रवर्तन, जिनका उन्त श्रीधोगिक उपक्रम या ऐसे श्रीधोगिक उपक्रम का स्थामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे श्रीधोगिक उपक्रम या कम्पनी को देंलागू हों, एक वर्ष की श्रविध के लिए निजिन्धत रहेगा श्रीर उक्त तारीख के पूर्व उनके श्रधीन श्रीद्मृत या उद्भृत होने बाले सभी श्रधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताऐं श्रीर दायित्व उक्त श्रविध के लिए निलिन्धत रहेंगे।

[म॰ फा॰ 25/5/72-सी॰ य॰ मी॰]

दिनेश किसोर सक्सेना, संयुक्त क्रिका।